चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	10.5.24		

The Tribune

Blood donation camp marks Red Cross Day

VC BR Kamboj interacts with donors at the camp. TRIBUNE PHOTO

HISAR, MAY 9

A blood donation camp was organised to mark World Red Cross Day in the College of Agriculture, Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU), today.

The camp was organised collectively by the Student Welfare Directorate, District Red Cross Society, Civil Hospital, Youth Red Cross, NSS and NCC units. Vice-Chancellor Professor BR Kamboj was the chief guest. A total of 130 units of blood were collected during the camp.

Prof Kamboj said the main objective of the Red Cross was to inspire, encourage and initiate all types of humanitarian activities. He said the Red Cross Society worked on seven fundamental principles — humanity, impartiality, neutrality, independence, voluntary service, unity and universality. He urged youth to actively take part in blood donation camps.

Former secretary of District Red Cross Society Surender Sheoran, the keynote speaker at the event, spoke about the International Red Cross Movement and its establishment by the Geneva Convention of 1864. He also infromed the audience that in 1901, the first Nobel Peace Prize was awarded to Henry Dunant. It was the only institution in the world to have won three Nobel Peace Prizes, he said. Student Welfare Director Dr ML Khichar said that a university-level poster-making competition was held in which Hrithik, a student of College of Agriculture, stood first, Drishti stood second and Divya, a student of fisheries college, stood third. — TNS

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	10.5.24	2	3-4

रेडक्रॉस सोसायटी मानवता, निष्पक्षता जैसे सात मौलिक सिद्धांतों पर काम करती है : प्रो. काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में विश्व रेडक्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय, जिला रेड क्रॉस सोसायटी, सिविल अस्पताल, यूथ रेड क्रॉस, एनएसएस व एनसीसी के सहयोग से आयोजित किए गए इस शिविर में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे।

काम्बोज ने कहा कि रेडक्रॉस का मुख्य उद्देश्य मूल रूप से किसी भी समय और परिस्थितियों में सभी प्रकार की मानवीय गतिविधियों को प्रेरित, प्रोत्साहित एवं आरंभ करना है। रेडक्रॉस सोसायटी मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वैच्छिक सेवा, एकता और सार्वभौमिकता जैसे 7 मौलिक सिद्धांतों पर काम करती है। थैलेसिमिया से पीड़ित बच्चों, गर्भवती महिलाओं, सड़क दुर्घटनाओं एवं विभिन्न प्रकार की बीमारियों से प्रभावित व्यक्तियों को प्रतिदिन रक्त की आवश्यकता होती है। इसकी पूर्ति केवल रक्तदान से ही संभव है। शिविर में 130 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एमएल खिच्चड़ ने कहा कि रक्तदान को महादान कहा गया है। रक्तदान को लेकर विश्वविद्यालय स्तरीय पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें कृषि महाविद्यालय के के छात्र रितीक ने प्रथम, दृष्टि ने द्वितीय व मत्स्य महाविद्यालय की छात्रा दिव्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, अन्नु, डॉ. चंद्रशेखर डागर, डॉ. भगत सिंह आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	10.5.24	3	1-4

रक्तदान महादान, युवा बढ़कर लें भाग : काम्बोज

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में विश्व रेडक्रास दिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय, जिला रेडक्रास सोसायटी, सिविल अस्पताल, यूथ रेडक्रास, एनएसएस व एनसीसी के सहयोग से आयोजित शिविर में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे।

प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि रेडक्रास का मुख्य उद्देश्य मूल रूप से किसी भी समय और परिस्थितियों में सभी प्रकार की मानवीय गतिविधियों को प्रेरित, प्रोत्साहित एवं आरंभ करना है। रेडक्रॉस सोसायटी मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वैच्छिक सेवा, एकता और सार्वभौमिकता जैसे 7 मौलिक

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज रक्तादाताओं को बैच लगाते हुए। • पीआरओ

सिद्धांतों पर काम करता है। विश्व में इस तरह की संस्था की शुरुआत अट्ठाहरवी शताब्दी में हुई परन्तु हमारे देश में तो हजारों साल पहले से ही परमार्थ की परंपरा रही है जिसका सबसे बड़ा उदाहरण महर्षि दधिची हुए हैं। उन्होंने देवताओं के कल्याण के लिए ना केवल अपना देह त्याग किया था बल्कि इस देह का इस्तेमाल करने की अनुमति भी उन्हें दी थी। रक्तदान करके हम किसी भी व्यक्ति को नया जीवन प्रदान कर सकते हैं। शिविर में कुल 130 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

मुख्य वक्ता जिला रेडक्रास सोसायटी के पूर्व सचिव सुरेन्द्र श्योराण ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रास आंदोलन की स्थापना 1864 के जिनेवा कन्वेंशन द्वारा की गई थी। 1901 में, हेनरी डुनेंट को शांति के लिए पहला नोबेल पुरस्कार दिया गया। रेडक्रास की अंतरराष्ट्रीय समिति को 1917, 1944 और 1963 में तीन नोबेल शांति पुरस्कार मिले हैं । यह दुनिया में एकमात्र संस्था है जिसने तीन नोबेल शांति पुरस्कार जीते हैं।

छात्र कल्याण निदेशक डा. एमएल खीचड़ ने कहा कि रक्तदान को महादान कहा गया है। रक्तदान को लेकर विश्वविद्यालय स्तरीय पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें कृषि महाविद्यालय के के छात्र रितीक ने प्रथम, दृष्टि ने द्वितीय व मत्स्य महाविद्यालय की छात्रा दिव्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पाहुजा ने कार्यक्रम में सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन छात्रा अन्नु ने किया। इस दौरान डा. चंद्रशेखर डागर, राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डा. भगत सिंह आदि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	10.5.24	4	6

युवाओं को समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए : प्रो. कांबोज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में विश्व रेडक्रॉस दिवस पर आयोजित रक्तदान शिविर में 130 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। इस शिविर में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि रेडक्रॉस सोसायटी मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वैच्छिक सेवा, एकता और सार्वभौमिकता जैसे 7 मौलिक सिद्धांतों पर काम करता है। युवाओं को समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने शिविर में रक्तदाताओं का बैच लगाकर उनका उत्साहवर्धन भी किया।

मुख्य वक्ता जिला रेडक्रॉस सोसायटी के पूर्व सचिव सुरेन्द्र श्योराण ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस आंदोलन की स्थापना 1864 के जिनेवा में की गई थी। रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति को तीन नोबेल शांति पुरस्कार मिले हैं। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एमएल खिच्चड़ ने बताया कि रक्तदान को लेकर आयोजित विश्वविद्यालय स्तरीय पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय के छात्र रितीक ने प्रथम, दृष्टि ने द्वितीय, मत्स्य महाविद्यालय की छात्रा दिव्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने कार्यक्रम में सभी का धन्यवाद किया। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	10.5.24	5	3-6

रक्तदान महादान, युवा बढ़-चढ़कर लें भाग : प्रो. काम्बोज

हिसार, 9 मई (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में विश्व रेडक्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय, जिला रेडक्रॉस सोसायटी, सिविल अस्पताल, यूथ रेड क्रॉस, एनएसएस व एनसीसी के सहयोग से आयोजित किए गए इस शिविर में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि रेडक्रॉस का मुख्य उद्देश्य मूल रूप से किसी भी समय और परिस्थितियों में सभी प्रकार की मानवीय गतिविधियों को प्रेरित, प्रोत्साहित एवं आरंभ करना है।

रेडक्रॉस सोसायटी मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वैच्छिक सेवा, एकता और सार्वभौमिकता जैसे 7 मौलिक सिद्धांतों पर काम करता है। विश्व में इस तरह की संस्था की शुरुआत अट्ठारहवी शताब्दी में हुई परन्तु हमारे देश में तो हजारों साल पहले से ही परमार्थ की परंपरा रही है जिसका सबसे बड़ा उदाहरण महर्षि दधिची हुए हैं। उन्होंने देवताओं के कल्याण के लिए ना केवल अपना देह

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज रक्तदान शिविर में बैच लगाकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए।

त्याग किया था बल्कि इस देह का इस्तेमाल करने की अनुमति भी उन्हें दी थी। कुलपति ने कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है। इसलिए युवाओं को रक्तदान शिविरों में रक्तदान करने के लिए बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। थैलेसिमिया से पीड़ित बच्चों, गर्भवती महिलाओं, सड़क दुघटर्नाओं एवं विभिन्न प्रकार की बीमारियों से प्रभावित व्यक्तियों को प्रतिदिन रक्त की आवश्यकता होती है। इसकी पूर्ति केवल रक्तदान से ही संभव है। रक्तदान करके हम किसी भी व्यक्ति को नया जीवन प्रदान कर सकते हैं। शिविर में रक्तदान करने वालों का मुख्यातिथि ने ह्यलचाल जाना तथा बैच लगाकर उनका उत्साहवर्धन भी किया। शिविर में कुल 130 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। मुख्य वक्ता जिला रेडक्रॉस सोसायटी के पूर्व सचिव सुरेन्द्र श्योराण ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस आंदोलन की स्थापना 1864 के जिनेवा कन्वेंशन द्वारा की गई थी। 1901 में, हेनरी डुनेंट को शांति के लिए पहला नोबेल पुरस्कार दिया गया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एमएल खिच्चड़ ने विश्व रेडक्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि रक्तदान को महादान कहा गया है। रक्तदान को लेकर विश्वविद्यालय स्तरीय पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें कृषि महाविद्यालय के के छात्र रितीक ने प्रथम, दृष्टि ने द्वितीय व मत्स्य महाविद्यालय की छात्रा दिव्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

हकृवि के कृषि महाविद्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने कार्यक्रम में सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन छात्रा अन्नु ने किया। शिविर को सफल बनाने में यूथ रेडक्रॉस के प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर डॉ. चंद्रशेखर डागर, राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह, यूथ रेडक्रॉस सैल, एनसीसी, एनएसएस सहित अन्य वॉलंटियर्स ने अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षाविद्, स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक, एनएसएस, एनसीसी व यूथ रेड क्रॉस के वालिंटियर्स एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	10.5.24	5	3-8

रक्तदान महादान, युवा बढ़-चढ़कर लें भाग: प्रो. काम्बोज

- हकृवि के कृषि महाविद्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित

हिसार, सच कहूँ न्यूज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में विश्व रेडक्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय,जिला रेड क्रॉस सोसायटी, सिविल अस्पताल,यूथ रेड क्रॉस,एनएसएस व एनसीसी के सहयोग से आयोजित किए गए इस शिविर में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि रेडक्रॉस का मुख्य उद्देश्य मूल रूप से किसी भी समय और परिस्थितियों में सभी प्रकार की मानवीय गतिविधियों को प्रेरित, प्रोत्साहित एवं आरंभ करना है। रेडक्रॉस सोसायटी मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वैच्छिक सेवा, एकता और सार्वभौमिकता जैसे 7 मौलिक सिद्धांतों पर काम करता है। विश्व में इस तरह की संस्था की शुरूआत अट्ठारहवी शताब्दी में हुई परन्तु हमारे देश में तो हजारों साल पहले से ही परमार्थ की परंपरा रही है जिसका सबसे बड़ा उदाहरण महर्षि दधिची हुए हैं। उन्होंने देवताओं के कल्याण के लिए ना केवल अपना देह त्याग किया था बल्कि इस देह का इस्तेमाल करने की अनुमति भी उन्हें दी थी।

मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज रक्तदान शिविर में रक्तादाताओं को बैच लगाकर उनका उत्साहवर्धन करते हुए

रक्तदान करके हम किसी भी व्यक्ति को नया जीवन प्रदान कर सकते हैं। शिविर में रक्तदान करने वालों का मुख्यातिथि ने हालचाल जाना तथा बैच लगाकर उनका उत्साहवर्धन भी किया। शिविर में कुल 130 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षाविद्, स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक, एनएसएस, एनसीसी व यूथ रेड क्रॉस के वालिंटियर्स एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	09.05.2024	--	--

हकृवि के कृषि महाविद्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित

रक्तदान महादान, युवा बढ़-चढ़कर ले भाग : प्रो. काम्बोज

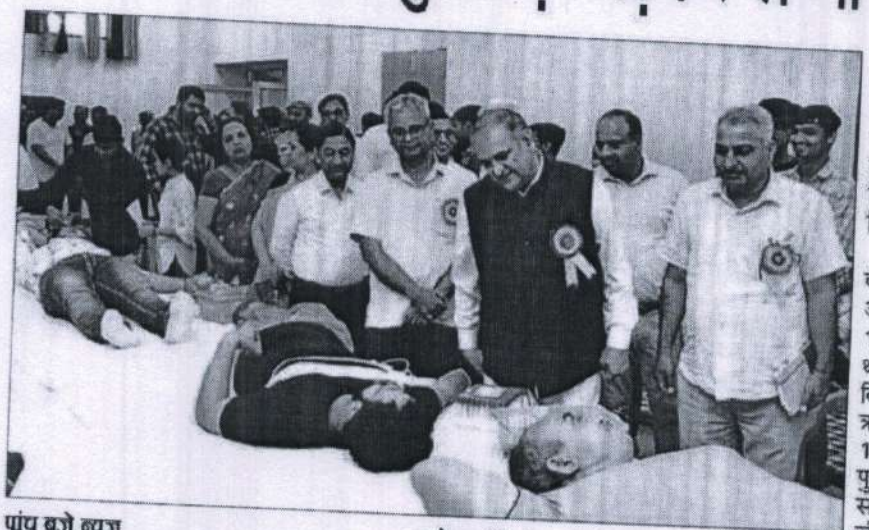

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में विश्व रेडक्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय, जिला रेड क्रॉस सोसायटी, सिविल अस्पताल, यूथ रेड क्रॉस, एनएसएस व एनसीसी के सहयोग से आयोजित किए गए इस शिविर में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे।

प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि रेडक्रॉस का मुख्य उद्देश्य मूल रूप से किसी भी समय और परिस्थितियों में सभी प्रकार की मानवीय गतिविधियों को प्रेरित, प्रोत्साहित एवं आरंभ करना है। रेडक्रॉस सोसायटी मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वैच्छिक सेवा, एकता और सार्वभौमिकता जैसे 7 मौलिक सिद्धांतों पर काम करता है। विश्व में इस तरह की संस्था की शुरुआत अट्ठारहवी शताब्दी में हुई परन्तु हमारे देश में तो हजारों साल पहले से ही परमार्थ की परंपरा रही है जिसका सबसे बड़ा उदाहरण महर्षि दधिची हुए हैं। उन्होंने देवताओं के कल्याण के लिए ना केवल अपना देह त्याग किया था बल्कि इस देह का इस्तेमाल करने की अनुमति भी उन्हें दी थी। उन्होंने कहा कि हम यदि इतिहास की बात करें तो भाई कन्हैया का उदहारण हमारे अंदर करूणा और सेवा का भाव भर देता है। युद्ध के दौरान वो न केवल सिख सैनिकों को बल्कि घायल मुगल सैनिकों को भी पानी पिलाते और उनकी सेवा बड़ी श्रद्धापूर्वक करते थे। इस बात से सिख योद्धा चिढ़ गए और गुरू जी से उनकी शिकायत की। तब गुरू के पुछने पर कन्हैया ने कहा, 'हां गुरू जी' वे सच कह रहे हैं, किन्तु युद्ध के मैदान में मुझे कोई मुगल या सिख सैनिक दिखाई नहीं देते, मुझे तो वहां केवल मनुष्य ही दिखाई देतें हैं। कुलपति ने कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है। इसलिए युवाओं को रक्तदान शिविरों में रक्तदान करने के लिए बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। थैलेसिमिया से पीड़ित बच्चों, गर्भवती महिलाओं, सड़क दुघटनाओं एवं विभिन्न प्रकार की बीमारियों से प्रभावित व्यक्तियों को प्रतिदिन रक्त की आवश्यकता होती है। इसकी पूर्ति केवल रक्तदान से ही संभव है। रक्तदान करके हम किसी भी व्यक्ति को नया जीवन प्रदान कर सकते हैं। शिविर में रक्तदान करने वालों का मुख्यातिथि ने हालचाल जाना तथा बैच लगाकर उनका उत्साहवर्धन भी किया। शिविर में कुल 130 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

मुख्य वक्ता जिला रेडक्रॉस सोसायटी के पूर्व सचिव सुरेन्द्र श्योराण ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस आंदोलन की स्थापना 1864 के जिनेवा कन्वेंशन द्वारा की गई थी। 1901 में, हेनरी डुनेंट को शांति के लिए पहला नोबेल पुरस्कार दिया गया। रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति को 1917, 1944 और 1963 में तीन नोबेल शांति पुरस्कार मिले हैं । यह दुनिया में एकमात्र संस्था है जिसने तीन नोबेल शांति पुरस्कार जीते हैं। जीन हेनरी डुनेंट के जन्म दिवस पर प्रत्येक वर्ष 8 मई को विश्व रेड क्रॉस दिवस के रूप में मनाया जाता है।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एमएल खिच्चड़ ने विश्व रेडक्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि रक्तदान को महादान कहा गया है। रक्तदान को लेकर विश्वविद्यालय स्तरीय पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें कृषि महाविद्यालय के के छात्र रितीक ने प्रथम, दृष्टि ने द्वितीय व मत्स्य महाविद्यालय की छात्रा दिव्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने कार्यक्रम में सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन छात्रा अन्नु ने किया। शिविर को सफल बनाने में यूथ रेडक्रॉस के प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर डॉ. चंद्रशेखर डागर, राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह, यूथ रेडक्रॉस सैल, एनसीसी, एनएसएस सहित अन्य वॉलंटियर्स ने अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षाविद, स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक, एनएसएस, एनसीसी व यूथ रेड क्रॉस के वालिंटियर्स एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	09.05.2024	--	--

रक्तदान महादान, युवाओं को बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हकृवि के कृषि महाविद्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 9 मई। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में विश्व रेडक्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय, जिला रेड क्रॉस सोसायटी, सिविल अस्पताल, यूथ रेड क्रॉस, एनएसएस व एनसीसी के सहयोग से आयोजित किए गए इस शिविर में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि रेडक्रॉस का मुख्य उद्देश्य मूल रूप से किसी भी समय और परिस्थितियों में सभी प्रकार की मानवीय गतिविधियों को प्रेरित, प्रोत्साहित एवं आरंभ करना है। रेडक्रॉस सोसायटी मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वैच्छिक सेवा, एकता और सार्वभौमिकता जैसे 7 मौलिक सिद्धांतों पर काम करता है। विश्व में इस तरह की संस्था की शुरुआत अट्ठाहरवी शताब्दी में हुई परन्तु हमारे देश में तो हजारों साल पहले से ही परमार्थ की परंपरा रही है जिसका सबसे बड़ा उदाहरण महर्षि दधिची हुए हैं। उन्होंने देवताओं के कल्याण के लिए ना केवल अपना देह त्याग किया था बल्कि इस देह का इस्तेमाल करने की अनुमति भी उन्हें दी थी। उन्होंने कहा कि हम यदि इतिहास की बात करें तो भाई कन्हैया का उदहारण हमारे अंदर करूणा और सेवा का भाव भर देता है। युद्ध के दौरान वो न केवल सिख सैनिकों को बल्कि घायल मुगल सैनिकों को भी पानी पिलाते और उनकी सेवा बड़ी श्रद्धापूर्वक करते थे। इस बात से सिख योद्धा चिढ़ गए और गुरू जी से उनकी शिकायत की। तब गुरू के पुछने पर कन्हैया ने कहा, 'हां गुरू जी' वे सच कह रहे हैं, किन्तु युद्ध के मैदान में मुझे कोई मुगल या सिख सैनिक दिखाई नहीं देते, मुझे तो वहां केवल मनुष्य ही दिखाई देतें हैं। कुलपति ने कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है। इसलिए युवाओं को रक्तदान शिविरों में रक्तदान करने के लिए बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। थैलेसिमिया से पीड़ित बच्चों, गर्भवती महिलाओं, सड़क दुघटर्नाओं एवं विभिन्न प्रकार की बीमारियों से प्रभावित व्यक्तियों को प्रतिदिन रक्त की आवश्यकता होती है। इसकी पूर्ति केवल रक्तदान से ही संभव है। रक्तदान करके हम किसी भी व्यक्ति को नया जीवन प्रदान कर सकते हैं। शिविर में रक्तदान करने वालों का मुख्यातिथि ने हालचाल जाना तथा बैच लगाकर उनका उत्साहवर्धन भी किया। शिविर में कुल 130 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। मुख्य वक्ता जिला रेडक्रॉस सोसायटी के पूर्व सचिव सुरेन्द्र श्योराण ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस आंदोलन की स्थापना 1864 के जिनेवा कन्वेंशन द्वारा की गई थी। 1901 में, हेनरी डुनेंट को शांति के लिए पहला नोबेल पुरस्कार दिया गया। रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति को 1917, 1944 और 1963 में तीन नोबेल शांति पुरस्कार मिले हैं । यह दुनिया में एकमात्र संस्था है जिसने तीन नोबेल शांति पुरस्कार जीते हैं। जीन हेनरी डुनेंट के जन्म दिवस पर प्रत्येक वर्ष 8 मई को विश्व रेड क्रॉस दिवस के रूप में मनाया जाता है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एमएल खिच्चड़ ने विश्व रेडक्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि रक्तदान को महादान कहा गया है। रक्तदान को लेकर विश्वविद्यालय स्तरीय पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें कृषि महाविद्यालय के के छात्र रितीक ने प्रथम, दृष्टि ने द्वितीय व मत्स्य महाविद्यालय की छात्रा दिव्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने कार्यक्रम में सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन छात्रा अन्नु ने किया। शिविर को सफल बनाने में यूथ रेडक्रॉस के प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर डॉ. चंद्रशेखर डागर, राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह, यूथ रेडक्रॉस सैल, एनसीसी, एनएसएस सहित अन्य वॉलंटियर्स ने अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षाविद्, स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक, एनएसएस, एनसीसी व यूथ रेड क्रॉस के वालिंटियर्स एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	10.05.2024	--	--

रक्तदान महादान, युवा बढ़ चढ़कर ले भाग: प्रो. बी.आर. काम्बोज

हकृवि के कृषि महाविद्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में विश्व रेडक्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय,

जिला रेड क्रॉस सोसायटी, सिविल अस्पताल, यूथ रेड क्रॉस, एनएसएस व एनसीसी के सहयोग से आयोजित किए गए इस शिविर में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे।

प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि रेडक्रॉस का मुख्य उद्देश्य मूल रूप से किसी भी समय और परिस्थितियों में सभी प्रकार की मानवीय गतिविधियों को प्रेरित, प्रोत्साहित एवं आरंभ करना है। रेडक्रॉस सोसायटी मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वैच्छिक सेवा, एकता और सार्वभौमिकता जैसे 7 मौलिक सिद्धांतों पर काम करता है। विश्व में इस तरह की संस्था की शुरुआत अट्ठाहरवी शताब्दी में हुई परन्तु हमारे देश में तो हजारों साल पहले से ही परमार्थ की परंपरा रही है जिसका सबसे बड़ा उदाहरण महर्षि दधिची हुए हैं। उन्होंने देवताओं के कल्याण के लिए ना केवल अपना देह त्याग किया था बल्कि इस देह का इस्तेमाल करने की अनुमति भी उन्हें दी थी। उन्होंने कहा कि हम यदि इतिहास की बात करें तो भाई कन्हैया का उदहारण हमारे अंदर करूणा और सेवा का भाव भर देता है। युद्ध के दौरान वो न केवल सिख सैनिकों को बल्कि घायल मुगल सैनिकों को भी पानी पिलाते और उनकी सेवा बड़ी श्रद्धापूर्वक करते थे। इस बात से सिख योद्धा चिढ़ गए और गुरू जी से उनकी शिकायत की। तब गुरू के पुछने पर कन्हैया ने कहा, 'हां गुरू जी' वे सच कह रहे हैं, किन्तु युद्ध के मैदान में मुझे कोई मुगल या सिख सैनिक दिखाई नहीं देते, मुझे तो वहां केवल मनुष्य ही दिखाई देतें हैं।